Peer Reviewed

ISSN 2454-8332

IMPACT FACTS

Quarterly- Vol.5 • Issue 2 • 15 Mar. - 14 June. 2020 • Rs.100/-

International
Interdisciplinary Multilingual Research Journal

2020 - 2021

Editor
Dr.Kailas G.Kaninde

INDEX

SR. NO.	PAPER TITLE	AUTHOR NAME	PAGE NO.
01	BLACK MONEY IN INDIA : CURRENT STATUS AND IMPACT ON ECONOMY	Dr. Kailas G. Kaninde	01
02	ROLE OF MEDIA AND CORRUPTION	Dr.Sidharth S.Jadhav	08
03	Theme of Magic Realism Reflected in the Salman Rushdie's Novel Midnight's Children	Raibhole Pradip Marotirao	10
04	Taxation of Educational Institution and Income Tax Exemption of Income Tax act 1961.	Dr. Dattatray Maruti Khune	15
05	The Role of Various Social Issues in Maharashtra Politics	Dr. Bharat L. Rathod	24
06	वर्तमान समाज में मीडिया की भूमिका	प्रा.डॉ.डी.के.कदम	28
07	परधान आदिवासी जमातींच्या सामाजिक जीवनाचा समाजशास्त्रीय दृष्टिकोनातून अभ्यास	आरमाळकर अर्पणा विश्वनाथ	32
08	डॉ. बाबासाहेब आंबेडकरांचे कणकवली परिषदेतील योगदान	प्रा.डॉ. सत्येंद्र विजय राजे	40
09	पारधी समाजाची जीवन पध्दती : समाजशास्त्रीय अध्ययन	प्रा. घोगरे साईनाथ रामजी	49

वर्तमान समाज में मीडिया की भूमिका

प्रा. डॉ. डी .के. कदम
हुतात्मा जयवंतराव पाटील महाविद्यालय,हिमायतनगर जि. नांदेड

मीडिया संचार का एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम समाज में घटित हो रही किसी भी घटना,किसी भी प्रकार की विज्ञापन के प्रचार-प्रसार को बहुत जल्दी और सहजता से समाज के एक व्यक्ति के दूसरे व्यक्ति के पास पहुंचा सकते हैं |तकनीकी के विकास के पहले मीडिया शब्द का प्रयोग केवल किताबों समाचार पत्रों, जिसे हम प्रिंट मीडिया के रूप में के लिए होता था |परंतु अब टेलीविजन,फिल्म,रेडियो तथा इंटरनेट यूट्यूब आदि भी मीडिया के प्रमुख अंग बन गए हैं|

वर्तमान समय में मीडिया की उपयोगिता, महत्व योग भूमि का निरंतर बढ़ती जा रही है |कोई भी समाज,सरकार वर्ग संस्था,समूह व्यक्ति मीडिया को उपेक्षा कर आगे नहीं बढ़ सकता आज के जीवन में मीडिया एक अपरिहार्य आवश्यकता बन गया है |अगर हम देखें कि समाज किसे कहते हैं तो यह तथ्य सामने आता है कि लोगों की भीड़ या असफल मनुष्य को हम समाज नहीं कर सकते हैं | समाज का अर्थ होता है सामाजिक संबंधों का परस्पर ताना-बाना,जिसमें विवेक वान और विचारशील मनुष्य वालों को समुदाय का अस्तित्व होता है |

आज लोकतांत्रिक देशों में विधायिका,कार्यपालिका और न्यायपालिका के क्रियाकलापों पर नजर रखने के लिए मीडिया को ``चौथे स्तंभ"के रूप में माना जाता है | 18 वी क्षति के बाद से,खासकर अमेरिका स्वतंत्रता आंदोलन और फ्रांसीसी क्रांति के समय से ही जनता तक पहुंचने और उसे जागरूक कर समझ वनाने मैं मीडिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है| मीडिया अगर सकारात्मक भूमिका अदा करे तो किसी भी व्यक्ति,संस्था समूह और देश को आर्थिक,सामाजिक सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप मैं समृद्ध बनाया जा सकता है |

पहले मीडिया के सभी आधुनिक साधन नहीं थे वो केवल प्रिंट मीडिया का ही प्रयोग होता था | लोक साहित्य एवं लेखन के द्वारा ही अपने विचारों को प्रकट किया करते थे,जैसे कि भारत की आजादी के लिए चलाए जा रहे आंदोलन को सफल बनाने के लिए उससे लोगों को जोड़ने के लिए अनेक प्रकार के प्रिय प्रिंट मीडिया का सहारा लेकर कई समाचार पत्रों व पत्रिकाओं का संपादन किया जा रहा था इस तरह भारत की स्वतंत्रता मैं मीडिया का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा था | आज का मीडिया हमारे समाज को नया आकार प्रदान करने तथा इस को मजबूत बनाने मैं आपने एक सशक्त एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है |अगर समाज में मीडिया की भूमिका की बात करें तो इसका तात्पर्य यह हुआ है कि समाज में मीडिया का प्रयास और अप्रत्यक्ष रूप से क्या योगदान दे रहा है

उसके उत्तरदायित्व को निर्वहन के दौरान समाज पर उसका क्या सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है आज में मीडिया के दोनों ही पहलू उभर कर आये हैं।

मीडिया ने जहां जनता में जाकर निर्भीकता पूर्वक जगरूक, करने भ्रष्टाचार उजागर करने की तथा जनहित कार्यों की अभिवृद्धि में योगदान दिया, वहीं लालच, भय,द्वेष,स्पर्धा,दूर्भावणा येव वह राजनीतिक चक्रों में फंसकर अपनी भूमिका को कलंकित किया है। व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए चलो जर्नलिज्म को अपनाना ब्लैकमेल द्वारा दूसरों को शोषण करना चटपटी खबरों को तो जो करण देना और खबरों को तोड़ मरोड़ कर पेश करना दंगे भड़काने वाली खबरों की प्रकाशित करना घटनाओं एवं कथनों को दिव्य स्वरूप प्रदान करना अनावश्यक रूप से किसी ही प्रशंसा और महिमामंडन करना है लालच में सत्तारूढ़ दल की चापलूसी करना और किसी दूसरे की आलोचना करना जैसे अनुचित कार्य आजकल मीडिया द्वारा किए जा रहे हैं। दुर्घटना एवं संवेदनशील मुद्दों को बढ़ा चढ़ाकर पेश करना ईमानदारी, नैतिकता,कर्तव्य निष्ठा और उत्साह से संबंधितखबरों को नजर जान नजरअंदाज करना आजकल मीडिया का एक सामान्य लक्षण हो गया है। मीडिया के इस व्यवहार से समाज में व्यवस्था और असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। यह मीडिया का कार्य अच्छा नहीं है जनता के सामने आ रहा है। आज के समय में इंटरनेट के माध्यम से सामाजिक क्रियाकलाप युवाओं को तक पहुंच रही है जिससे उनमें नैतिकता, संस्कृति और सभ्यता की लगातार कमी आती जा रही है। इन सब को देखते हुए मीडिया की भूमिका पर चर्चा करना आज आवश्यक हो गया है।

``मीडिया को आधुनिक समाज का `दर्पण' माना जाता है संक्रमित, यह मीडिया है जो हमारे जीवन को आकार देता है।"

मीडिया की भूमिका यथार्थ सूचना प्रदायक एजेंसी के रूप में होनी चाहिए। मीडिया द्वारा समाज को संपूर्ण विश्व में होने वाली घटनाओं को जानकारी मिलती है। इसीलिए मीडिया का यह प्रयास होना चाहिए कि यह जानकारियां यथार्थपरक हो।सूचनाओं को तोड़ मरोड़ कर या दूषित कर पशु प्रस्तुत करने का प्रयास नहीं होना चाहिए। समाज के हितों जानकारी के लिए सूचनाओं को यथावत यह विशुद्ध रूप में जनता के समक्ष पेश करना चाहिए। मीडिया का प्रस्तुतीकरण ऐसा होना चाहिए जो समाज का मार्गदर्शन कर सके। उत्तम लेख,संपादकीय,ज्ञानवर्धक सूचनाओं,श्रेष्ठ मनोरंजन आदि सामग्रियों का खबरों में समावेशन होना चाहिए तभी समाज को सही दिशा प्रदान की जा सकेगी।

कुमार अभिनव के मतानुसार,``मीडिया संस्कृति को प्रभावित करता है। यह समाज की सोच को आकार दे सकता है। मीडिया द्वारा दी गई जानकारी सरकार को सामाजिक मुद्दों को हल करने के लिए उचित कार्यवाही करने में मदद करती है।" क्योंकि किसानों की आत्महत्या आज के आधुनिक समाज का एक प्रश्न बन गया है। इसीलिए मीडिया की आज के समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका है।

मीडिया समाज में अनेक प्रकार से नेतृत्व प्रदान करता है| इससे समाज की विचारधारा प्रभावित होती है| मीडिया को प्रेरक भी भूमिका में भी उपेक्षित होना चाहिए जिससे समाज में सरकारों को प्रेरणा व मार्गदर्शन प्राप्त हो | मीडिया समाज के विभिन्न वर्गों के हितों का रक्षक भी होता है | वह समाज की नीति,परंपराओं,मान्यता तथा सभ्यता एवं संस्कृति के परी के रूप में भी भूमिका निभाता है | पूरे विश्व में गठित विभिन्न वर्गों का मीडिया के माध्यम से ही मिलती है | अत: उसे सूचना विपक्ष रूप से सही परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करनी चाहिए |

समाज में वार-वार हो रही है हिंसा,हर आयु पर ध्यान आकर्षित करने का काम मीडिया कर रही है| जैसे मुंवई में हाल ही में आत्महत्या करने वाले फिल्म स्टार तथा ड्रग्स लेने वाले अभिनेताओं के मामले में मीडिया ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और बार-बार सरकार और सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किया जाता है | मीडिया सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बनाने में भी रचनात्मक भूमिका निभाती है |

अपनी खवरों से समाज के संतुलन और असंतुलन में भी बड़ी भूमिका निभाता है | वह अपनी भूमिका के द्वारा समाज में शांति और सौहार्द आर्य समरसता और सूजन की भावना विकसित कर सकता है | सामाजिक तनाव संघर्ष मतभेद यू दोनों दंगों के समय मीडिया को बहुत ही संयमित तरीके से कार्य करना चाहिए राष्ट्र के प्रति भक्ति में एकता की भावना को उबरने में मीडिया की अहम भूमिका होती है | मीडिया विभिन्न सामाजिक कार्य द्वारा समाज के सेवक की भूमिका भी निभा सकता है | ``मीडिया के द्वारा `निर्भया के लिए न्याय प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतरे इसी कारण सरकार को नया कानून का वह अधिक प्रभाव बनाने के लिए मजबूर होना पड़ता है|

आज का मीडिया सकारात्मक भूमिका की वजह नकारात्मक भूमिका ज्यादा निभाते हुए दिखाई दे रहा है| उसमें सवार अनुरूपता ने जगह बना ली है | सनसनी फैलाने के लिए यह देश की सुरक्षा को भी दाव पर लगाने में नहीं चूकते |26 /11 को ही लीजिए | उसे कैसे भुलाया जा सकता है | बड़े-बड़े टीवी चैनलों द्वारा पूरी कार्यवाही का सीधा प्रसारण दिखाया गया | जिससे होटल में घुसे आतंकवादी बाहर होने वाली हलचल से वकील होते रहे हैं और हमारा अधिक से अधिक नुकसान करते रहे | मिडीया अपराध की खवरों को दिखाएं पर सकारात्मक समाचार से भी किनारा न करें | समाज में फैली वुराइयों के अलावा विकास को भी दिखाएं ताकि आम आदमी निराश में डूबा रहे कि इस देश का कुछ नहीं हो सकता |सामाजिक मुद्दों जैसे भेदभाव आदि के ही कहीं उदाहरण है, जो आज काल मीडिया के द्वारा उठाए जा रहे हैं | जब मिली या ऐसे मुद्दों को प्रस्तुत करता है और उसका खुलासा करता है, जो जनता जागरूक होती है और समाज की समस्याओं को हल करने के लिए आवश्यक

कदम उठाए जाते हैं | मीडिया आम जनता की आवाज को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में मदद करता है |

इतना ही नहीं भूकंप,बाढ़ किसानों की आत्महत्या नशा पान या अन्य प्राकृतिक ओप्पो दोष के समय जन सहयोग उपलब्ध कराकर मानवता की बहुत बड़ी सेवा कर सकता है | मीडिया को सदा प्रवृत्तियों के अभी दर्शन हे तू भी आगे आना चाहिए |21 वि सदी का मीडिया का तेजी से विकसित हुआ है |इंटरनेट की दुनिया ने समाज को तूफान में घिरे लिया है |सूचना आज दुनिया में एक विशाल समुद्र है,लेकिन हमें गलत सूचना के डूबने के लिए पर्याप्त सावधानी बरतनी की आवश्यकता है |

संक्षेप में मीडिया की भूमि भूमिका को देखते हुए कहा जा सकता है कि मीडिया आज विनाशक यूं ही तैसी दोनों भूमिका में सामने आया है | अब समय आ गया है कि मीडिया अपनी शक्ति का सदुपयोग जनहित में करें और समाज का मार्गदर्शन करें ताकि वह भविष्य भस्मासुर न बन सकें |

संदर्भ :

१) टीचर लेखन स्वरूप और शिल्प डॉ.मनोहर प्रभाकर

२) समाचार संपादन कमल दीक्षित

३) समाज में मीडिया की भूमिका कुमार अभिनव

४) मीडिया की बदलती भाषा डॉ अजय कुमार सिंह।